भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 481

जिसका उत्तर दिनांक 17.09.2020 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा रिएक्टरों को आरंभ किया जाना

481. श्री संभाजी छत्रपती :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने गुजरात में काकरापार परमाणु ऊर्जा संयंत्र में 700 मेगावाट के दबाव युक्त भारी जल रिएक्टर को आरंभ करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है;

(ख) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने देश में आगामी पांच वर्षों के लिए अन्य परमाणु ऊर्जा संयंत्रों को आरंभ करने के लिए कोई समय सारणी निर्धारित किया है; और

(घ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और व्यावसायिक उपयोग के लिए नियोजित परमाणु ऊर्जा संयंत्रों से कितनी अतिरिक्त ऊर्जा का उत्पादन होगा ?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) तथा (ख) काकरापार, गुजरात में प्रथम 700 MW दाबित भारी पानी रिएक्टर केएपीपी-3 ने 22 जुलाई, 2020 को पहली क्रांतिकता (पहली बार नियंत्रित सतत नाभिकीय विखंडन श्रृंखला अभिक्रिया) प्राप्त कर ली है । इस यूनिट के नवंबर 2020 तक कमीशनन एवं प्रचालनरत होने की आशा है । पहली यूनिट के एक वर्ष बाद इसके साथ वाली दूसरी यूनिट केएपीपी-4 के कमीशनन एवं प्रचालनरत होने की आशा है ।

(ग) तथा (घ) अगले पांच वर्षों में, पांच और नाभिकीय विद्युत संयंत्रों अर्थात रावतभाटा, राजस्थान में आरएपीपी 7 तथा 8 (2 X 700 MW); कुडनकुलम, तमिलनाडु में केकेएनपीपी 3 तथा 4 (2 X 1000 MW) जिसका क्रियान्वयन न्यूक्लियर पावर कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) द्वारा किया जा रहा है और 500 MW प्रोटोटाइप द्रुत प्रजनक रिएक्टर (पीएफबीआर) जिसका क्रियान्वयन भारतीय नाभिकीय विद्युत निगम लिमिटेड (भाविनी) द्वारा किया जा रहा है, के वर्ष 2024 तक क्रमिक रूप से कमीशनन और प्रचालनरत होने की संभावना है, जिससे नाभिकीय विद्युत उत्पादन क्षमता में 3900 MW की वृद्धि होगी ।

*****